हिन्दी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन और नामकरण

(ग्रियर्सन और मिश्रबंधु)

डॉ. नवीन नन्दवाना

हिन्दी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

www.fppt.info

जॉर्ज ग्रियर्सन

- हिन्दी साहित्य का इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की दिशा में प्रथम प्रयास जॉर्ज ग्रियर्सन ने किया।
- जॉर्ज ग्रियर्सन के ग्रंथ का नाम –

इस्त्वार द ला एन्दुई एन्दुस्तानी

- सम्पूर्ण इतिहास कों 11 काल खण्डों में बांटा।

www.fppt.info

- 11 काल खण्डों के नाम –
- चारणकाल
- पन्द्रहवीं शती का पुनर्जागरण
- जायसी की प्रेम कविता
- व्रज का कृष्ण सम्प्रदाय
- मुगल दरबार
- तुलसीदास
- रीति काव्य
- तुलसीदास के अन्य परवर्ती
- अठारहवीं शताब्दी
- कंपनी के शासन में हिंदुस्तान
- महारानी विक्टोरिया के शासन में हिंदुस्तान

www.fppt.info

ग्रियर्सन की देन

- चारण काव्य, धार्मिक काव्य, प्रेम काव्य, दरबारी काव्य के रूप में हिंदी साहित्य को बांटना।
- भक्तिकाल को पन्द्रहवीं सदी का धार्मिक पुनर्जागरण कहना।
- भक्तिकाल को हिंदी का स्वर्णयुग मानना।
- सच्चे अर्थों में प्रथम हिन्दी इतिहास।

www.fppt.info

ग्रियर्सन की देन

- डॉ. किशोरीलाल ने 1957 में हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास नाम से अनुवाद किया।
- कवियों व लेखकों का कालक्रमानुसार वर्णन तथा प्रवृत्तियों का स्पष्टीकरण।

www.fppt.info

मिश्रबन्धुओं का काल विभाजन

मिश्रबन्धुओँ ने ‘मिश्रबन्धु विनोद’ में काल-विभाजन का प्रयास किया, जो इस प्रकार है-

1.आरम्भिक काल 700 से 1444 वि० तक।

2.माध्यमिक काल 1445 से 1680 वि० तक।

3.अलंकृत काल 1681 से 1889 वि० तक।

4.परिवर्तन काल :कद्ध :1890-1925 वि.

5.वर्तमान काल : 1926 वि. से अब तक

www.fppt.info

मिश्रबन्धुओं का काल विभाजन

आरम्भिक काल 700 से 1444 वि० तक

- पूर्वारंभिक काल : 700 – 1343
- उत्तरारंभिक काल :1344-1444 वि.

www.fppt.info

मिश्रबन्धुओं का काल विभाजन

माध्यमिक काल 1445 से 1680 वि॰ तक

- पूर्व माध्यमिक काल : 1445-1560 वि.
- प्रौढ़ माध्यमिक काल : 1561-1680 वि.

www.fppt.info

मिश्रबन्धुओं का काल विभाजन

अलंकृत काल 1681 से 1889 वि० तक

- पूर्वालंकृत काल : 1681-1790 वि.
- उत्तरालंकृत काल : 1791-1889 वि.

www.fppt.info

धन्यवाद !

www.fppt.info